

मासूम की मौत के बाद भी छुपाई सच्चाई निजी अस्पताल की बड़ी लापरवाही



बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले में निजी चिकित्सकों की मनमानी लगातार जारी है, इस बार तो एक निजी अस्पताल ने स्वयं को बचाने के लिए उपचार के दौरान मासूम बालक की मौत होने पर बिना परिजनों को बताए ही पिता को एंबुलेंस में बैठाकर सरकारी अस्पताल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन जैसे ही निजी अस्पताल के स्टाफ ने मृत बालक को शिशु वार्ड के बेड पर लेटाया पिता ने अपने बेटे को पहचान लिया और निजी अस्पताल के स्टाफ से सवाल-जवाब करने लगा तो उक्त स्टाफ मौके से ही चला गया। वहीं सरकारी अस्पताल के शिशु वार्ड के स्टाफ ने पिता को बताया कि लिए गए बालक की मौत हो चुकी है, उनके यहां मरा हुआ बालक लाया गया है। जिसके बाद परिजनों व निजी अस्पताल के बीच गहमा-गहमी का माहौल भी देखने को मिला हैं।परिजनों ने आरोप लगाया हैं कि डॉक्टर के द्वारा सचाई झुपाई गई हैं और जब बालक अस्पताल में ही उसकी मौत हो गई थीं तो उसकी जानकारी दिये बगैर ही उन्होने ही जिला अस्पताल में भर्ती करने पहुंच गये, जब हमने देखा तब पता चला कि वह बालक हमारा हैं जो मृत हैं। इसमें डॉक्टर की लापरवाही हैं और वह अपने आप को बचाने के लिए मृत बालक को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे हैं। प्रकाश घट्टे काशपुर आमाटोला थाना वारासिवनी निवासी ने बताया कि 22 अप्रैल को उनके एक वर्ष दो माह के बेटे आलोक को दस्त लगे थे जिसे उपचार के लिए 23 अप्रैल को



अस्पताल में बालक की मौत, डॉक्टर ने खुद को बचाने जिला अस्पताल मृत बालक को पहुंचाया, परिजनों ने लगाया आरोप ,कहा: एक दिन बच्चा स्वस्थ होने के बाद डॉक्टरों ने ही जिला अस्पताल ले गये बालक को

उन्होंने अपने बेटे को न्यू समर्पण अस्पताल डॉ. आशीष गिरी के यहां भर्ती कराया था, यहां पर कुछ दिनों के उपचार के बाद उनके बेटे की हालत में सुधार हो रहा था और 27,27 व 28 अप्रैल को बालक काफी स्वस्थ भी हो गया था। जिसके बाद 29 अप्रैल की दोपहर करीब 12 बजे स्टाफ के कहने पर उन्होंने बालक को खाना भी किया था और दोपहर करीब 4 बजे से 5 बजे के बीच बालक को जब नारियल पानी पिलाया गया था तो वह स्वस्थ था और बेड पर पलट भी रहा था। उन्होंने बताया कि इसके कुछ देर बाद ही वार्ड का गेट बंद कर दिया गया और किसी को भी अंदर जाने से मना किया गया। कुछ समय बाद ही एक एंबुलेंस आ गई और वार्ड से स्टाफ एक बच्चे को कपड़े में लपेट को बाहर निकले, नीचे में खड़ा था तो मुझसे ये कहा गया कि बूढ़ी अस्पताल तक जाना चलो लेकिन यह नहीं बताया गया कि उनके पास मेरा बेटा है उसे कुछ हो गया हैं।बूढ़ी अस्पताल पहुंचने पर शिशु वार्ड में जब बालक को लेटाया गया तो उसका चेहरा खुलने से मैंने उसे पहचान लिया और स्टाफ से पूछा कि मेरे बेटे को क्या हो गया है, तो उन्होंने बताया कि उनके अस्पताल

में वेंटिलेटर नहीं है, इसलिए बालक को लेकर आए हैं और फिर स्टाफ वहां से चला गया।
गहमा-गहमी होने से पहुंची पुलिस:-पिता ने बताया कि बेटे की मौत की जानकारी लगने पर मैंने अपने अन्य परिजनों को इसकी सूचना दी और वे सभी लोग न्यू समर्पण अस्पताल पहुंचे तो यहां पर गेट लगा दिया गया और अंदर घुसने से मना किया गया जिससे विवाद की स्थिति भी निर्मित हुई जिसके बाद हमले पुलिस को सूचना दी तो मौके पर पुलिस पहुंची। वहीं अगले की सुबह बुधवार को कोतवाली थाना में पहुंचकर अस्पताल प्रबंधन के द्वारा की गई लापरवाही से बालक की मौत होने और हमें गुमराह करने सूचना नहीं दिए जाने की शिकायत दर्ज करवाई गई हैं।
पुलिस समझाईस के बाद परिजन माने:-न्यू समर्पण अस्पताल के सामने मृत बालक के परिजन व ग्रामीणों ने डॉक्टर की लापरवाही पर कार्यवाही की मांग को लेकर गेट के सामने ही बैठ कर हंगामा शुरू कर दिया, मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने परिजनों को समझाईस दी और आश्वासन दिया गया हैं कि जांच उपरांत अवश्य ही घटना की सचाई से



परिजनों को अवगत कराया जायेगा। तभी परिजन माने और बालक का अंतिम संस्कार करने के लिए वहा से चले गये।

बालक को वेंटिलेटर के लिए जिला अस्पताल ले गये:-डॉक्टर आशिष गिरी ने कहा कि बालक को लुज मौसन था, परिजनों ने 23 अप्रैल को उपचार के लिए लाया गया था, जिसे उपचार के लिए भर्ती कराया गया था, हर संभव हमने प्रयास किया लेकिन गत दिवस बालक की स्थिती में खराब होने के कारण उसे वेंटिलेटर की आवश्यकता होने पर उसे जिला अस्पताल में भर्ती करने के लिए अस्पताल से एम्बुलेंस में लेकर गये थे, लेकिन बच्चा की रास्ते में ही दम तोड़ दिया, जिला अस्पताल के डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद परिजनों को समझाई दी गई लेकिन परिजनों ने अस्पताल के सामने ही हंगामा कर दिया।

इनका कहना हैं

गत रात्रि को परिजनों ने थाना में शिकायत दर्ज कराई कि डॉक्टर आशिष गिरी की लापरवाही के करण बालक की मौत हुई हैं। शव का पोएम कराया गया हैं, जो भी तथ्य आयेगें उसी आधार से जांच की जायेगी। परिजनों को समझाई दी गई हैं कि मर्ग जांच में जो भी तथ्य आयेगें, जांच उपरांत कार्यवाही की जायेगी।

विजय राजपुत, थाना प्रभारी कोतवाली

प्रतिमाह निःशुल्क महावीर स्वास्थ्य सेवा शिविर संपन्न: विशाल राउत



लांजी(स्वतंत्र मत)। महावीर इंटरनेशनल अपेक्स लांजी, जिला बालाघाट म प्र (रीजन-9) द्वारा प्रतिमाह आयोजित निःशुल्क महावीर स्वास्थ्य शिविर के द्वारा अनेक लोगों की सेवा कार्य किया जा रहा है। सेवा, प्रेम और शांति का संदेश फैलाना, सबकी सेवा, सबको प्यार' यही महावीर इंटरनेशनल का मूल मंत्र हैं। महावीर इंटरनेशनल लांजी द्वारा प्रतिमाह दिनांक 27 तारीख से 30

तारीख तक आयोजित निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन आज नगर लांजी में और भागनावेवा, कुम्हारिकला, बहेला, साडरा, बोलेगांव, घोटी, कांदीकला सभी स्थानों पर आयोजित किया गया, साथ ही प्रशिक्षित डॉक्टर कर्मवीर सिंह और सहयोगी अरशद खान, इंद्रकुमार राजा भुते के द्वारा शिविर सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए 35

बालाघाट(स्वतंत्र मत)।

ग्रीष्मकाल में जलसंकट की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर श्री मृणाल राउत खोगल ने बताया कि अब नागरिकों को प्रतिमाह 27,28,29,30 तारीख को यह सभी स्थानों पर शिविर सम्पन्न कराया जाएगा लोगों की सुविधा प्रदान करने के लिए प्राणी मात्र सेवा के लिए समर्पित महावीर इंटरनेशनल लांजी, द्वारा महावीर स्वास्थ्य सेवा केंद्रों के द्वारा सुविधा स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य सहयोग प्रदान के लिए किया जा रहा हैं। अब नागरिकों को दूर दूर तक सफर करने की जरूरत नहीं अपने निकटमय सेवा केंद्र में पहुंचकर जांच परामर्श मार्गदर्शन प्राप्त कर सेवा का लाभ ले । मरीजों की सारी सुविधा केंद्र से ही प्रदान किया जाएगा केंद्र में ही बस सुविधा पहुंचकर लोगों को सुविधा प्रदान करेंगे।

बाधा उत्पन्न कर रहे हैं। ऐसे लोगों के विरुद्ध सीएमओ श्री बीडी कतरोलिया के निर्देश पर नपा की जलप्रदाय शाखा की टीम द्वारा वार्डों में पहुंचकर टिड्डू पंप जब्ती की गई। इसके तहत 25 से 29 अप्रैल के बीच 5 दिनों में कुल 15 मोटर जब्त की गई हैं।सीएमओ श्री कतरोलिया ने कलेक्टर श्री मीना के आदेश पर जल संरक्षण को लेकर नगरपालिका के तहत सभी 33 वार्डों में प्रचार-प्रसार अभियान प्रारंभ किया है। जिसमें जल का अपव्यय रोकने लोगों में जागरूकता फैलाई जा रही है, जिन लोगों द्वारा नियमविरुद्ध तरीके से नगरपालिका के नल कनेक्शन में मोटरपंप लगाकर पानी खिंचकर पानी के फोंस को बाधित किया जा रहा है तथा जरूरतमंदों तक पानी पहुंचने से रोका जा रहा है। ऐसे लोगों के विरुद्ध कड़ी



कार्यवाही करते हुए टिड्डू मोटरपंप जब्त की जा रही हैं।

वार्डों में पहुंच रही जलप्रदाय की टीम:-इसी कड़ी में जलप्रदाय शाखा की टीम द्वारा नगर के वार्ड क्रं. 3 गौसनगर में 29 अप्रैल को मकान मालिक आसीफ शेख के यहां कार्यवाही कर मोटरपंप को जब्त किया। जबकि 28 अप्रैल को

मोटरपंप, निसार अली, अब्दुल राजीक शेख एवं शाहरुक़ खान के यहां से एक-एक मोटरपंप जब्त की गई। 25 अप्रैल को हुई कार्यवाही में शहर के वार्ड नं. 02, 18 ,19 के भी निवासों में कार्यवाही कर मोटरपंप की जब्ती की गई है। इस प्रकार 5 दिनों से लगातार चल रही इस कार्यवाही में अब तक 15 टिड्डू मोटरपंप को जब्त किया जा चुका है। सीएमओ ने शहरी क्षेत्र के निवासियों से अपील की है कि नगरपालिका के नल कनेक्शन में टिड्डू मोटरपंप का उपयोग करने के जलप्रदाय को बाधित ना करें, नलों को खुला ना छोड़ें, पानी का महत्व समझें और जल अपव्यय को रोकें तथा नगरपालिका द्वारा की जाने वाली किसी भी प्रकार की कार्यवाही से बचने के लिए नगर पालिका का सहयोग करें ।

जल गंगा संवर्धन अभियान में समाज की भागीदारी सुनिश्चित करें :कलेक्टर

सागर नगर के लहरा स्थित बड़ी नदी में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल से जन जागरूकता कार्यक्रम और जल संरक्षण की शपथ दिलाई

सागर। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के आह्वान पर प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है इसी क्रम सागर जिले में कलेक्टर संदीप जी. आर. के निर्देशन में जन अभियान परिषद की टीम द्वारा जिले के समस्त विकासखंडो जन जागरूकता हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है इसी तारतम्य में विकासखंड सागर की लेहदरा में स्थित बड़ी नदी पर मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम (सीएमसीएलडीपी) के छात्रों / परामर्शदाता द्वारा घाट में श्रमदान साफ सफाई का किया गया एवं सभी को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। जिला समन्वयक के के मिश्रा द्वारा विगत दिवस जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा बैठक में कलेक्टर द्वारा दिए गए निर्देश तथा प्रत्येक विकासखंड में शासन के साथ समन्वय स्थापित कर जल संरचनाओं की



साफ सफाई संरक्षण संवर्धन में जन भागीदारी सुनिश्चित किए जाने एवं विभिन्न गतिविधियों के आयोजन संबंधी

जानकारियों से परिषद की टीम के सदस्यों को अवगत कराया कार्यक्रम में संभाग समन्वयक दिनेश उमरैया द्वारा जल संरक्षण

के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया जल हमारे जीवन एवं प्रकृति का महत्वपूर्ण अंग है यदि जल की कमी रहेगी और

पर्यावरण पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा जिस कारण पर्यावरण संतुलन भी बिगड़ेगा जिसका सामना समाज को करना पड़ता है इसलिए इसके संरक्षण के चिंता समाज को भी करने की जिम्मेदारी है। विकासखंड समन्वयक अंजली पाठक द्वारा माय भारत पोर्टल पर जल दूतों के पंजीयन के संबंध में जानकारी दी एवं जल संरक्षण के महत्व के बारे मे विस्तार से बताते हुये वाटर हार्बैस्टिंग के माध्यम से भूमिगत जल स्तर को बढ़ाने और उसको सहेजने के तरीको को बताया, साथ ही ग्राम के प्राकृतिक जल स्रोतो को संरक्षित करने और उसका सही प्रबंधन करने के बारे में समझाया।परामर्शदाता नीरज व्यास द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को जल संरक्षण हेतु शपथ दिलाई गई कार्यक्रम में सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के छात्र परामर्शदाता एवं वालंटियर उपस्थित रहे।

समितियों एवं गोदामों में पर्याप्त है खाद

किसानों से अपील, समय पूर्व उर्वरको का करे उठाव

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। खरीफ वर्ष 2025 के लिए जिले में उर्वरको का खाद का भंडारण और किसानों द्वारा उठाव कार्य प्रारंभ है। कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक श्री मृणाल मीना के मार्गदर्शन में पुरुषोत्तम जोशी प्र. मुख्य कार्यपालन अधिकारी और राजेश खोब्रागढ़ उपसंचालक कृषि विभाग ने संयुक्त रूप से बताया कि प्राथमिक कृषि सेवा सहकारी समितियों, डबल लॉक केन्द्रो, एम.पी. एग्रो से किसानों को खाद उपलब्ध कराई जाती हैं। उन्होने बताया कि लगातार कलेक्टर श्री मीना द्वारा खाद की उपलब्धता एवं वितरण की समीक्षा की जा रही है। किसानों से अपील की गई है कि समय पूर्व खाद का उठाव करे ताकि किसान पेशेदारी का सामना ना करना पड़े साथ ही किसान शासन की शून्य प्रतिशत ब्याज दर का लाभ ले। बैंक शाखा से संबद्ध सेवा सहकारी समितियों, सहकारिता विभाग, कृषि विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि स्वयं और ग्राम के कोटवार के साथ गाँव-गाँव मुनादी कर किसानों से खाद के अग्रिम उठाव के लिए प्रेरित करें। जिले के किसानों द्वारा खरीफ फसल की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है जिसके चलते यह जरूरी है कि खाद का अग्रिम उठाव कर ले ताकि पेशेदारियों का सामना ना करना पड़े। जिले की 126 सेवा सहकारी समितियों में खाद का भंडारण पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

गेहूँ उपार्जन 5 मई तक

सागर। जिले में रबी विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर उपार्जन का कार्य किया जा रहा है। कृषकों से समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन की अवधि दिनांक 15/03/2025 से 05/05/2025 तक निर्धारित की गई थी।जिला आपूर्ति नियंत्रक ने बताया कि गेहूँ उपार्जन हेतु जिले में आज दिनांक तक 176 केन्द्रों पर 44,533 किसानों द्वारा स्टॉल बुक किये गये है जिसमें से 31,971 किसानों द्वारा 2,62,914 मी.टन गेहूँ का विक्रय किया गया है एवं 14,172 किसानों को 307.64 करोड़ रुपये का सफलतापूर्वक भुगतान किसानों को प्राप्त हो गया है एवं भुगतान प्रक्रिया निरंतर जारी है। समस्त किसानों को सूचित किया जाता है कि 5 मई तक गेहूँ खरीदी की जायेगी। किसान बंधुओं से अनुरोध है कि समय-सीमा में गेहूँ का विक्रय करें।

जिले की जनजातीय संस्थाओं व छात्रावासों के आकस्मिक निरीक्षण पर पहुंचे डिप्टी कलेक्टर छात्रावास में अनुपस्थित एवं स्वच्छता न बरतने पर दिया नोटिस

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। सोमवार को डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी जनजातीय सहायक आयुक्त श्री राहुल नायक ने जिला मुख्यालय की विभिन्न जनजातीय संस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने छात्र छात्राओं से चर्चा करते हुए छात्रावास में पायी अनियमितता के संबंध में अधीक्षक, अधीक्षिकाओं को सुव्यवस्थित संचालन के निर्देश दिये। साथ ही नियमित रूप से

छात्रावास में रहने एवं रात्रि विश्राम के की निर्देश दिये है।निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर श्री राहुल नायक ने अनुसूचित जाति सीनियर कन्या छात्रावास बालाघाट की अधीक्षिका को छात्रावास में उपस्थित नहीं रहने एवं छात्रावास में साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखने के कारण नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये। साथ ही अधीक्षक/अधीक्षिकाओं के छात्रावास में

उपस्थित नहीं होने के पर कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिये गये।डिप्टी कलेक्टर व प्रभारी जनजातीय सहायक आयुक्त श्री नायक ने सभी अधीक्षक व अधीक्षिकाओं को निर्देश दिये है कि छात्रावास एवं आश्रम शाला में निवासरत छात्र-छात्राओं को गुणवत्ता युक्त पौष्टिक भोजन दिया जाए। इसके साथ ही उन्होंने छात्रावास व आश्रम शाला में साफ- सफाई पर विशेष ध्यान

देने के लिए भी कहा गया है।

इन छात्रावासों व आश्रमों का किया निरीक्षण:-इस दौरान श्री नायक ने नगर के छात्रावास, आश्रम, शाला, अनुसूचित जाति महाविद्यालयीन बालक छात्रावास, अनुसूचित जाति महाविद्यालयीन कन्या छात्रावास, अनुसूचित जाति सीनियर कन्या छात्रावास, आदिवासी सीनियर उत्कृष्ट बालक छात्रावास, आदिवासी सीनियर

उत्कृष्ट कन्या छात्रावास, आदिवासी महाविद्यालयीन बालक छात्रावास, आदिवासी महाविद्यालयीन कन्या छात्रावास, संयुक्त आदिवासी बालक छात्रावास, आदिवासी जूनियर बालक छात्रावास नवेगांव (बालाघाट), आदिवासी अंग्रेजी माध्यम बालक आश्रम शाला (प्रा.स्तर), आदिवासी अंग्रेजी माध्यम बालक आश्रम शाला (मा.स्तर), का औचक निरीक्षण किया गया।